सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 02 मई, 2025
वर्ष: 02, अंक: 126, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड बिजली कटौती से नाराज किसानों ने जीटी रोड किया जाम » Pg02

निजी पॉलिटेक्निक संस्थानों को भी एसआईआरएफ रैंकिंग में शामिल करें

» Pg12

स्वराज इंडिया के खुलासे के बाद मचा है हडकंप

आर्डिनेंस फैक्ट्री में फर्जी अटेडेंस में दो निलंबित

सीटीआर अनुभाग के प्रभारी राजेश सिंह भी हटाए गए, फैक्ट्री में बॉयोमेट्रिक्स अटेडेंस भी शुरू कर दी गई है

स्वराज इंडिया खबर का असर

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया।

कानपुर। विजयनगर कालपीरोड स्थित आर्डनेंस फैक्ट्री में इलेक्ट्रानिक कार्ड पंचिग सिस्टम में सेंधमारी कर फर्जी हाजिरी लगाकर सैन्य प्रतिष्ठान की सुरक्षा के साथ खिलवाड को उच्चाधिकारियों ने गंभीरता से लिया है। मामले में दोनों आरोपित कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, प्रबंधन ने तत्काल प्रभाव से बॉयोमेट्रिक्स अटेडेंस सिस्टम लागू कर दिया है। मामले की विभागीय जांच जारी है।

आर्डनेंस प्रतिष्ठान से मिले इनपुट के अनुसार कार्यकारी निदेशक आलोक सिंह ने एक्शन लेते हुए सेंट्रल टूल रूम में तैनात टेक्नीशियन अतनु चक्रवती और हाजिरी लगाने वाले अरविंद सिंह को फिलहाल निलंबित कर दिया गया है। वहीं, सीटीआर अनुभाग के प्रमुख राजेश सिंह को हटा दिया गया है। वहीं, मामला को 17 दिन तक दबाने का प्रयास करने वाले अन्य अधिकारी भी

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

» Pg12 यूपी से बाहर किए गए पाकिस्तानी

इनसाइड

सैन्य प्रतिष्ठानों में सुरक्षा को लेकर बड़ी लापरवाही

कोलकाता में बैठे युवक की कानपुर में लग रही हाजिरी

विजयनगर स्थित ओएफसी फैक्ट्री में चल रहा घालमेल पकड़ा गया। स्थानीय अधिकारी मामले को दबाने में जुटे

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

संवेदनशील मामला है: प्रभारी सीएमडी

कानपुर आर्डिनेंस फैक्टी का मामला

ATTENDANCE

कानपुर में हैं कई आयुध निर्माणी

उच्चाधिकारियों के रडार पर हैं। बताया जा रहा है कि उनपर भी गोपनीय स्तर पर जांच कराई जा रही है। इसके बाद कई विकेट गिर सकते हैं।

कई अधिकारियों की भूमिका है संदिग्ध

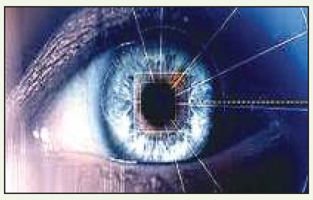

इनपुट है कि ओएफसी में तैनात कई अधिकारी फैक्ट्री में बडा खेल करने में जुटे हुए हैं। वह कुछ खास कर्मियों की मिलीभगत से सामान की खरीद फरोख्त में धांधली करा रहे हैं। बताया जा रहा है जो सामान टेंडर के समय सेंपल में दिखाया जाता है, वह सेटिंग करके निम्न दर्जे की आपूर्ति करा दी जाती है चूंकि सब मिले हुए हैं। ऐसे में शिकायतें बाहर नहीं आ पाती हैं। 'स्वराज इंडिया' जल्द ही तथ्यों के साथ पूरे खेल का खुलासा करेगा।

कैसे पकडा गया खेल!

ओएफसी के सीटीआर अनुभाग में टेक्नीशियन पद पर तैनात अतनू चक्रवती टिकट नंबर 179 पर्सनल नंबर 9762 कोलकाता में था लेकिन ओएफसी में 8 अप्रैल 2025 से लेकर 11 अप्रैल 2025 तक इलेक्ट्रानिक कार्ड हाजिरी सिस्टम के माध्यम से दूसरे साथी अरविंद सिंह पर्सनल नंबर 10381 टिकट नंबर 71 की मिलीभगत से अनुपस्थित कर्मी के पंचिंग कार्ड से दनादन पंचिग एवं हस्ताक्षर बनाए जा रहे थे। 12 अप्रैल को भी गेट पर 7.45 पर उसकी इंट्री दिखाई गई, मॉनीटरिंग के दौरान नाइट डयूटी अफसर-एनडीओ ने मामला पकडा तो खुलासा हुआ लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने 10 दिन तक मामले को दबाए रखा। स्वराज इंडिया संवाददाता को मिले इनपुट के बाद खबर प्रकाशित हुई तो ओएफसी के अधिकारी हरकत में आए।

आंधी-बारिश ने मचाया कहर, बिजली गिरने से तीन की मौत

प्राकृतिक आपदा

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में शुक्रवार सुबह तेज आंधी और बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से दो मनरेगा मजदूर समेत तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि एक घायल है। जिले में आज सुबह घनघोर काली घटा के घिरने से दिन में भी रात नजर आ रहा था। इस बीच आई तेज आंधी बारिश के साथ तेज आवाज के साथ बिजली गिरी।

फसलों का नुकसान

बारिश के कारण फसलों को भी नुकसान पहुंचा है वहीं बिजली आपूर्ति व्यवस्था एकदम ठप हो गई। जगह जगह तार और पेड़ टूटने की भी जानकारी मिली है। सिरसागंज क्षेत्र में गांव नानेमऊ के समीप मनरेगा का काम कर रहे मजदूर बारिश से बचाव के लिए पेड़ के नीचे बैठ गए थे कि तभी बिजली गिरने से तीन मजदूर गम्भीर रूप से घायल हो गए, जिनमें सत्येंद्र (35) और विष्णु (35) की मौत हो गई जबकि देवेंद्र का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

हादसे की सूचना पर थाना पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंच गए और सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। एक अन्य घटना में थाना एका क्षेत्र के तहत गांव पबरई निवासी जयदयाल (45) दूध लेकर आ रहे थे कि रास्ते में बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई। थाना पुलिस ने शव को जिला अस्पताल पहुंचाया है। राजस्व टीम ने पहुंचकर आवश्यक कारवाई करते हुए उन्हें आपदा राहत कोष से आर्थिक सहयोग प्रदान करने की भी कार्रवाई की जा रही है।

बिजली कटौती से नाराज किसानों ने जीटी रोड किया जाम

बिजली विभाग के एसडीओ व जेई मुर्दाबाद के लगाए नारे

» वाहन चालकों से की हाथापाई

» बिल्हौर कोतवाल ने प्रदर्शनकरियों को पढ़ाया क़ानून का पाठ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर। घटिया विद्युत आपूर्ति से खफा अरौल क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने बिजलीघर का घेराव करके जीटी जाम रोड़ जाम कर दिया ।किसानों ने कहा कि उनकी फसलें बर्बाद हो रही हैं। बताया कि उन्हें बिजली आपूर्ति में लगातार दिक्कत हो रही है। जिससे उनकी मक्का तरबूज आदि कई फसलें प्रभावित हो रही हैं।

इससे पहले भी उन्होंने बिजली कटौती के विरोध में कई बार एसडीओ बिल्हौर व बिल्हौर देहात जेई विपिन कुमार को अवगत कराया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसके बाद सैकड़ों किसान सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन करने लगे। देखते ही देखते बिजली घर में नारेबाजी करते हुए किसान जीटी रोड पर बैठ गए और एसडीओ बिल्हौर और जेई के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान जाम लगाकर प्रदर्शन कर रहे किसानों की वाहन चालकों से हाथापाई भी हुई। सूचना पाकर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुँचे बिल्हौर कोतवाल ने वीडियोग्राफ़ी करवाकर प्रदर्शन कर रहे लोगों को क़ानून का पाठ पढ़ाया। जिस पर थोड़ी ही देर में प्रदर्शनकरियों ने सड़क खाली कर दी। और यातायात बहाल हो गया। कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि जीटी रोड जाम कर धरना दे रहे लोगों का धरना समाप्त कराकर चेतावनी दी गई है कि यदि दोबारा सड़क जाम कर धरने पर बैठे तो केस दर्ज किया जाएगा।

जेई से बात कर समस्या का हल निकालने को कहा

बिल्हौर। जीटी रोड से प्रदर्शन समाप्त करवाने के बाद बिल्हौर कोतवाल अशोक कुमार सरोज बिजली घर पहुंचकर जेई से मिले। और जेई से बात कर किसानों की समस्या का हल निकालने को कहा। कुछ देर बाद नायब तहसीलदार दिव्या भारती भी मौके पर पहुंची और किसानों से बात कर जल्द समस्या का निस्तारण करने को कहा।

डीएम बोले -'मैं बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने दूंगा'

आरटीई में नहीं ले रहे प्रवेश पर डीएम हुए सख्त, 5 स्कूल को नोटिस

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आरटीई के तहत प्रवेश न देने वाले स्कूलों पर नकेल कसने की तैयारी प्रशासन ने शुरू कर दिया है। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में नवीन सभागार में समीक्षा बैठक में हुई। डीएम ने तल्ख तेवर में कहा कि 'मैं बच्चों के भविष्य से खिलवाड नहीं होने दूंगा'। सभी स्कूल शत प्रतिशत प्रवेश लें और जो स्कूल मनमानी करेगा उसकी मान्यता प्रत्याहरण की कार्यवाही की जाएगी।

डीएम ने कहा कि आरटीई के शासनादेश में बच्चें को आउट ऑफ वार्ड दर्शाकर प्रवेश से इन्कार नहीं जा सकता है। यदि कमेटी द्वारा उनके विद्यालयों में बच्चों के नाम भेजे गए है तो प्रत्येक स्थिति में उनके एडमिशन लेना ही होगा।

जिलाधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि एडमिशन न लेने वाले विद्यालयों के खिलाफ कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बैठक में 40 ऐसे विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं प्रबन्धको को सम्मिलित किया गया जिन्होंने आरटीई में प्रवेश बहुत कम है या प्रवेश नहीं लिए जाने की शिकायते प्राप्त हो रही है।

बैठक में सीडीओ दीक्षा जैन, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) कानपुर नगर, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं सम्बन्धित खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं उक्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/प्रबन्धक उपस्थित रहें। वहीं बैठक में 5 विद्यालय अनुपस्थित रहे, उनको नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

1.प्रताप इंटरनेशनल स्कूल
2.एस्कॉर्ट वर्ल्ड स्कूल,
3सीएचएस स्कूल
4.आक्सफोर्ड मॉडल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,
5.कॉरवर पब्लिक स्कूल

आरटीई के अंतर्गत नहीं ले रहे प्रवेश

1-सेठ आनन्दराम जयपुरिया स्कूल, कैन्ट कानपुर नगर
2-एनएलके लिटिल स्टेप जवाहर नगर
3-ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल रूमा कानपुर नगर
4-एनएलके वेन्डी खलासी लाइन कानपुर नगर
5-सीलिंग हाउस पब्लिक स्कूल, सिविल लाइन्स
6-हलीम मुस्लिम इंग्लिश स्कूल, चमनगंज कानपुर नगर
7-यूनाईटेड पब्लिक स्कूल, सिविल लाइन्स
8-एशियन पब्लिक स्कूल, चमनगंज कानपुर नगर
9-डा वीरेन्द्र स्वरूप एजू सेन्टर श्याम नगर
10-.डा वीरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल, गोविन्द नगर।
11-डा वीरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल, कैन्ट
12-डा वीरेन्द्र स्वरूप एजूकेशन सेन्टर एच ब्लाक
13-डा वीरेन्द्र स्वरूप एजू सेन्टर .जाजमऊ
14-डा वीरेन्द्र स्वरूप एजूकेशन एन ब्लाक कि. नगर
15-श्रीराम पब्लिक स्कूल, किदवई नगर
16-दिल्ली पब्लिक स्कूल, किदवई नगर
17-न्यू किंग्स्टन एकाडमी डिफेन्स कालोनी
18-द चिन्टल्स स्कूल रतनलाल नगर
19-एचएस पब्लिक स्कूल गल्ला मण्डी नौबस्ता
20-सुधा मेमोरियल स्कूल, किदवई नगर
21-कैम्ब्रिज हाईस्कूल सिविल लाइन्स
22-रोज बड्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, रतनलाल नगर
23-द जैन इन्टरनेशनल स्कूल, कल्यानपुर
24-नर्चर इन्टरनेशनल स्कूल, बर्रा कानपुर नगर
25-वेन्डी हाईस्कूल, नारामऊ कानपुर नगर
26-डीपीएस, मेहरबान सिंह का पुरवा बर्रा का0नगर
27-एनएलके पब्लिक स्कूल, विष्णुपुरी
28-डा भीमराव अम्बेडकर पी स्कूल, पिपरगवां का नगर
29-एनएलके दिशा स्कूल
30.दिल्ली पब्लिक स्कूल, आजाद नगर कानपुर नगर
31-डा. वीरेन्द्र स्वरूप स्कूल, पनकी कानपुर नगर
32-नर्चर इन्टरनेशनल स्कूल, कल्यानपुर कानपुर नगर
33-डा वीरेन्द्र स्वरूप स्कूल, शारदा नगर कानपुर नगर
34-चिन्टल्स स्कूल, कल्यानपुर कानपुर नगर
35-ऐलन हाउस पब्लिक स्कूल, खलासी लाइन कानपुर नगर

सीएम ग्रिड योजना की सड़कों के निर्माण में लापरवाही

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने औचक निरीक्षण कर निर्माण कंपनी को नोटिस जारी करने के लिए निर्देश

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना सीएम ग्रिड का अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने व तदंतर्गत महत्वपूर्ण कार्यो को धरातल पर क्रियान्वित कराए जाने के उद्देश्य से नगर आयुक्त सुधीर कुमार द्वारा कानपुर शहर में सी0एम0 ग्रिड के प्रथम चरण के अंतर्गत चल रहे जोन- बगिया क्रॉसिंग से केस्को को तक चल रहे कार्यो का भौतिक निरीक्षण किया। वर्तमान में लगभग 600 मीटर सीवर लाइन डाले जाने का कार्य, यूटिलिटी डक्ट का कार्य पूर्ण पाया गया एवं शेष कार्य मंद गति से होता जिसपे नगर आयुक्त महोदय द्वारा रोष व्यक्त करते हुए कार्यदायि संस्था को इस आशय का नोटिस निर्गत किए जाने के निर्देश दिए गए, साथ ये निर्देशित किया गया कि कार्य को तीव्र गति से कराते हुए निर्धारित समय पर पूर्ण कराया जाए।साथ ही ये भी निर्देशित किया गया कि ग्रीन बेल्ट में वर्षा से पूर्व ग्रीनरी का कार्य भी पूर्ण कराया जाए एवं प्रत्येक दशा में पंद्रह दिवस के अंदर एक मॉडल पैच 150 मीटर का तैयार कर नगर आयुक्त को अवगत कराया जाए। इसी के साथ सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए और यह भी ध्यान रखा जाए की कार्य के दौरान किसी भी प्रकार से यातायात बाधित/अवरुद्ध न हो।निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता जोन-6, अधिशासी अभियंता जोन - 2, सहायक अभियंता एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बसपा की समीक्षा बैठक में पिछड़ों को जोड़ने पर जोर

- » विनय गौतम को विधानसभा चुनाव में बिल्हौर सीट से प्रत्याशी बनाए जाने की माँग उठी
- » बार एसोसिएशन बिल्हौर के महामंत्री को विधानसभा संयोजक बनाया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। गुरुवार को बिल्हौर कस्बे में बहुजन समाज पार्टी की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। मुख्यअतिथि के रूप में पहुँचे बसपा के कानपुर व आगरा मंडल के मुख्य कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व एमएलसी नौशाद अली का बसपाइयों ने जोरदार स्वागत किया। नौशाद अली के नेतृत्व में शुरू हुई बैठक में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपनी बातें रखीं। बैठक में बूथ स्थर पर बसपा संगठन को मजबूत करने पिछड़ों के साथ ही सर्व समाज को जोड़ने पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान नौशाद अली ने कहा कि बसपा इस बार सरकार बनाएगी। बसपा पार्टी किसी के साथ भेदभाव नहीं करती है। सभी लोग बहुजन समाज पार्टी के कार्यकाल को क्यों याद करते हैं। क्योंकि बसपा पार्टी अनुशासित पार्टी है।

आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में बीएसपी जुट गई है।वहीं बिल्हौर बार एसोसिएशन के महामंत्री महेंद्र सिंह कुशवाह एवं अधिवक्ता धर्मेंद्र को बीएसपी ओबीसी भाईचारा कमेटी का बिल्हौर विधानसभा संयोजक बनाया गया है।

इस दौरान बीएसपी ओबीसी भाईचारा संगठन के जिला संयोजक हरिनारायण कुशवाहा, राम शंकर कुरील, जिला प्रभारी रमेश कमल, जिला अध्यक्ष कुलदीप गौतम, बसपा नेता अनवर बेग, एडवोकेट समसुल इस्लाम, आशीष शुक्ला, विजय दुबे, रामदास कुरील,रजनीश दिवाकर समेत दर्जनों लोग मौजद रहे।

बिल्हौर सीट से लोकल प्रत्याशी बनाए जाने की आवाज उठाई

बिल्हौर। बैठक के समापन पर आगामी विधानसभा चुनाव में बिल्हौर सीट से क्षेत्रीय बीएसपी कार्यकर्ता एडवोकेट विनय कुमार गौतम को टिकट दिए जाने की क्षेत्रीय कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने आवाज बुलंद की। इस पर नौशाद अली ने कहा कि हम आपकी बात बहन जी तक पहुंचा देंगे।

सपा नेता इरफान सोलंकी के भाई इमरान पर बड़ा एक्शन

» महिला से मारपीट केस में कानपुर में गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के भाई पर बड़ा एक्शन हुआ है। मारपीट के एक मामले में कानपुर पुलिस ने इरफान सोलंकी के भाई इमरान सोलंकी को गिरफ्तार किया है। कानपुर पुलिस ने महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया था।इरफान सोलंकी के भाई और सपा विधायक नसीम सोलंकी के देवर इमरान सोलंकी की पुलिस थाने से एक तस्वीर आई है। इमरान सोलंकी इस तस्वीर में दो पुलिसकर्मियों के बीच खड़े दिखाई दिए।

एक घंटे हुई वार्ता के बाद भी नहीं बनी बात

बिल्हौर। तहसील में अपनी मांगों को लेकर करीब महीने भर से धरने पर बैठे भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ताओं के बीच शुक्रवार को एसडीएम रश्मि लाम्बा, व नायब तहसील रंजीत यादव पहुँचे करीब एक घंटे की वार्ता के बाद भी बात नहीं बनी, उन्होंने किसानों को डीएम के सामने पेश करने का आश्वासन दिया।उधर किसान नेता जिला अध्यक्ष कानपुर ग्रामीण का कहना है कि जब तक हमारे किसान साथियों का हल नहीं निकलेगा यह धारना यूं ही चलता रहेगा। कहा कि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो प्रदेश भर से किसान बिल्हौर तहसील में आकर धरना देंगे।

सम्पादकीय

भाजपा के दांव से असमंजस में विपक्ष

लंबे समय तक असहमति के बाद आखिरकार भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार ने घोषणा कर दी है कि जाति गणना अगली जनगणना का हिस्सा होगी। बहरहाल, भाजपा ने विपक्ष के जातीय गणना के मुद्दे की हवा निकाल दी है। यह आश्चर्यजनक निर्णय विषम परिस्थितियों के बीच आया है जब देश को उम्मीद थी कि सरकार पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई करेगी। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित चुनावी प्राथमिकताओं से प्रभावित नहीं होंगे। निस्संदेह, राजग का अल्पकालिक लक्ष्य इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव जीतना है। वहीं बड़ा उद्देश्य देशभर में जाति के मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों को पछाड़ना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2023 में यह कहकर चीजों को सरल बनाने की कोशिश की थी कि देश में चार ही जातियां हैं- महिलाएं, युवा, किसान और गरीब। यही वजह है कि ध्रुवीकरण की अपनी ताकत के प्रति आश्वस्त भगवा पार्टी ने विपक्ष को जाति का कार्ड खेलने दिया। हालांकि, इसका झटका भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में लगा। ये परिणाम भाजपा के लिये आंख खोलने वाला था। हालांकि, वह नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल युनाइटेड और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी के सहयोग से किसी तरह सरकार बनाने में कामयाब हो गई। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि गठबंधन की मजबूरियों के चलते ही भाजपा को जाति जनगणना के मुद्दे पर यह फैसला लेना पड़ा है। हालांकि, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के दबाव ने भी इस निर्णय में बड़ी भूमिका निभाई है। एक अन्य प्रमुख कारण भीमराव अंबेडकर की विरासत को लेकर खींचतान भी है। कोई भी राजनीतिक दल सामाजिक न्याय के उनके महान सपने को पूरा करने के लिये आधे-अधूरे दृष्टिकोण को अपनाने का जोखिम नहीं उठा सकता, खासकर भाजपा। कहा जा रहा है कि जाति जनगणना के जरिये नीति निर्माताओं को विशिष्ट समुदायों की आवश्यकता के अनुसार कल्याणकारी योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी इसमें दो राय नहीं कि जाति आधारित जनगणना में पारदर्शी सूचनाओं के संग्रह और डेटा के सार्थक उपयोग से सामाजिक असमानताओं को दूर करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि इसके लिये समय सीमा तय की जाए, क्योंकि पहले ही जनगणना में काफी देरी हो चुकी है। यह भी हकीकत है कि केंद्र सरकार के लिये अगली जनगणना के साथ ही जाति गणना कराने का फैसला खासा चुनौतीपूर्ण है। जिसके गहरे निहितार्थ सामने आ सकते हैं, जो राजनीतिक व सामाजिक परिदृश्य में बदलावकारी प्रभाव छोड़ सकते हैं। बहुत संभव है कि इसके बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग भी जोर पकड़े। लेकिन प्रथम दृष्टया भाजपा विपक्ष के बड़े हथियार को हथियाने में सफल रही है। उल्लेखनीय है कि साल 1931 तक हुई जनगणना में जाति गणना भी शामिल रही है।

लेकिन स्वतंत्र भारत में इसकी आवश्यकता को नकार दिया गया। हालांकि, अनुसूचित जाति और जनजाति की गणना की जाती रही। वैसे साल 2011 में सामाजिक व आर्थिक उद्देश्यों के लिये जाति गणना की तो जरूर गई,

आईटी क्षेत्र के रोजगारों पर मंडराता नया जोखिम

मधुरेन्द्र सिन्हा

आईटी सोर्सिंग के विश्व में सबसे बड़े केंद्र भारत की आईटी कंपनियों के लिए एआई बड़ी चुनौती बन कर सामने आई है। दरअसल एआई के कारण कोडिंग जैसे कई तरह के ज़ॉब्स खतरे में पड़ सकते हैं जिन्हें यह बड़ी सफाई और तेजी से करती है। वहीं वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के हालात भी रास नहीं आ रहे।टेक्नोलॉजी की एक खासियत होती है कि उसमें नई-नई खोजें और इनोवेशन होती रहती हैं। अगर ऐसा न हो तो वह मृतप्राय हो जायेगी। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के बारे में यह बात पूरी तरह लागू होती है और इसमें लगातार इनोवेशन होती रही हैं। इससे यह विधा और भी निखरती गई। लेकिन अब इसमें जो बदलाव और खोजें होती जा रही हैं वे डराने वाली हैं। इससे फायदे तो बहुत हैं लेकिन मानव श्रम को यह सिमटा देगी। यानी परंपरागत रोजगार के क्षेत्र में यह नकारात्मक रोल निभाएगी। दुनिया भर में लाखों लोग अपनी नौकरियों से हाथ धो बैठेंगे। यह सब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई के कारण होगा जिसे इस सदी की सबसे बड़ी खोज माना जा रहा है। यह मानव की इतनी ज्यादा सहायता करेगी कि इससे संबंधित क्षेत्र में मैनपॉवर की भारी कटौती हो जायेगी।

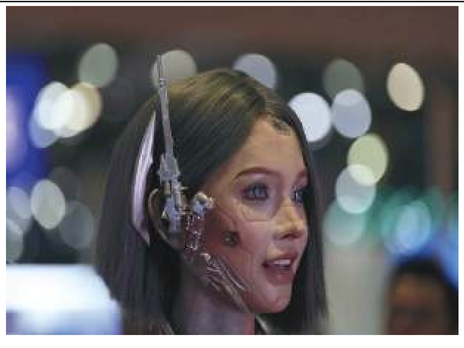

आईटी कंपनियां इस समय पसोपेश में हैं और वे वक्त की नजाकत भांपने का प्रयास कर रही हैं। भारत आईटी सोर्सिंग का दुनिया का सबसे बड़ा केन्द्र है और यहां की कंपनियां इसका फायदा उठा रही हैं तथा बड़े पैमाने पर रोजगार भी दे रही हैं। अब यहां एआई की धमक साफ दिख रही है। भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस ने अपने कर्मचारियों या यूं कहें कि आईटी प्रोफेशनल्स की सैलरी बढ़ोतरी पर रोक लगा दी है। कंपनी अमेरिका तथा चीन में एआई के बढ़ते उपयोग की समीक्षा कर रही है। देख रही है कि वहां इसका कितना उपयोग होता है और हमें उससे कितना नफा-नुकसान होगा। सभी आईटी कंपनियां ही नहीं बल्कि बड़ी-बड़ी अन्य कंपनियां भी एआई के पूरी तरह कार्यान्वित होने का इंतजार कर रही हैं जिसकी खूबी है कि वह कई-कई लोगों का काम कर लेती है। इसके आने के बाद क्या होगा, इस बारे अभी अंदाजा ही लगा सकते हैं। हमारी आईटी कंपनियां ज्यादातर बैक एंड के रूप में काम करती हैं और विदेशी कंपनियों के ऑर्डर पर निर्भर रहती हैं। उन्हें बहुत तरह के ऑर्डर मिलते हैं लेकिन ये सभी हाई एंड नहीं होते। इनमें से बहुत से काम ऐसे मिलते हैं जिनके लिए ज्यादा टैलेंट की जरूरत नहीं है। सामान्य से सॉफ्टवेयर इंजीनियर उसे करते हैं और उनकी तादाद बहुत ज्यादा होती है। भारतीय आईटी कंपनियों में ज्यादातर कर्मी इसी प्रकार के होते हैं जिनकी नौकरियों पर अब एआई के कारण खतरा मंडरा रहा है। वह इसके लिए कोडिंग का उदाहरण देते हैं जिसे इन कंपनियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियर करते हैं लेकिन एआई बड़ी आसानी से यह कर लेगा। वहीं, बहुत से टास्क ऐसे हैं जो कम समय व खर्च में एआई कर सकता है। ऐसे में विदेशी कंपनियों से इस तरह के जॉब्स के ऑर्डर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। वहीं उनका कहना है कि जब भारत में कंप्यूटरीकरण शुरू हुआ था तो ऐसे ही हालात थे और कहा जा रहा था कि बड़े पैमाने पर बेरोजगारी फैलेगी क्योंकि लोग निकाले जायेंगे। कुछ समय तक ऐसा लगा लेकिन बाद में कंप्यूटरीकरण की वज़ह से लाखों नये रोजगार सृजित हुए और देश ने तरक्की की। आने वाले समय में एआई भी ऐसे ही हालात पैदा करेगी।

सुरक्षा चुनौतियों के बीच पूर्ण राज्य का प्रश्न

अतिरिक्त फैसला

प्रमोद जोशी

जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है, इसलिए सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी नहीं है, पर एक परिपक्व राजनेता के रूप में उन्होंने ऐसा कहकर केंद्र सरकार पर नैतिक दबाव बनाया है। सवाल है कि क्या राज्य सरकार को जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा का भागीदार नहीं बनाया जाना पहलगाम हमले से कुछ हफ़्ते पहले ही जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाक़ात के बाद जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल होने को लेकर उम्मीद जताई थी। उस समय उन्होंने कहा था, हमें लगता है कि सही समय आ गया है, विधानसभा चुनाव हुए छह महीने बीत चुके हैं। शाह यहां आए थे, मैंने उनसे अलग से मुलाक़ात की, जो अच्छी रहीः मुझे अब भी उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर को जल्द ही अपना राज्य का दर्जा वापस मिल जाएगा।

इसके पहले विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने कहा था कि राज्य का दर्जा हमारा नैरेटिव है, यह भाजपा का वादा है। अब्दुल्ला को लोगों से किए गए वादों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दो हफ़्ते पहले राष्ट्रीय और खासतौर से जम्मू-कश्मीर की राजनीति में वक़्फ़ कानून को लेकर सरगर्मी थी, पर अब पहलगाम हमले के कारण हालात बदले हुए हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या इस हमले के कारण जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने में और विलंब होगा? क्या नेशनल कान्फ्रेंस इस मामले को उठाना बंद कर देगी?11 दिसंबर, 2023 को, उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने को सर्वसम्मति से बरकरार रखा। साथ ही केंद्र सरकार को जम्मू और कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और सितंबर 2024 से पहले विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया। पिछले साल चुनाव भी हो गए, पर राज्य के दर्जे की बहाली नहीं हुई है। नई सरकार बनने के बाद 19 अक्तूबर, 2024 को जम्मू-कश्मीर मंत्रिमंडल ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से राज्य का दर्जा बहाल करने का औपचारिक आग्रह भी कर दिया। उपराज्यपाल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी। अब अंतिम निर्णय केंद्र सरकार और संसद पर निर्भर है।

कुछ राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि केंद्र सरकार इस मुद्दे को धीरे-धीरे हल करना चाहती है, ताकि स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक स्थिरता बनी रहे। पहलगाम हमले ने इस स्थिरता को आंशिक रूप से भंग किया है। केंद्र सरकार अपने आत्मविश्वास में कमी नहीं दिखाना चाहती है। साथ ही हरेक कदम को वह अच्छी तरह सोच समझकर उठाएगी।

डायरिया से राहत, इन 3 ड्रिंक्स को आजमाएं!

मौसम में लूज मोशन हो रहे हैं या फिर डायरिया की शिकायत ज्यादा देखने को मिल रही है। दस्त से उबरने के दौरान, हाइड्रेटेड रहना और खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपाई करना बहुत जरूरी है। इसलिए आप घर पर ही इन 5 नेचुरल ड्रिंक का सेवन कर सकते हैं।

जब शरीर में पानी की कमी होने लगती हैं, तो लूज मोशन या डायरिया हो जाता है। डिहाइड्रेशन के कारण लूज मोशन स्टार्ट हो जाते है। ऐसे में कई बार हेल्थ एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि बॉडी को डिहाइड्रेशन बचने के लिए ओरआरएस का घोल पानी पीने की सलाह देते हैं। दस्त से उबरने के दौरान, हाइड्रेटेड रहना और खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपाई करना बहुत जरूरी है।

वैसे तो मार्केट में कई सारे फ्लेवर्ड ड्रिंक है जो पानी की कमी को दूर करते हैं, लेकिन आप घर पर ही इन 5 नेचुरल ड्रिंक को बना सकते हैं।

कोकोनट वाटर

नारियल पानी पोटेशियम और सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक प्राकृतिक स्रोत होता है, जो हाइड्रेशन के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। आप इसे सादा पी सकते हैं या इसकी इलेक्ट्रोलाइट सामग्री को बढ़ाने के लिए इसमें एक चुटकी नमक मिला सकते हैं। इसलिए लूज मोशन या डायरिया होने पर नारियल पानी पिएं। चावल की कांजी

लोजू मोशन से छुटकारा पाने के लिए आप घर पर ही चाव की कांजी बना सकते हैं। चावल की कांजी लूज मोशन के लिए सुखदायक होता है और कुछ पोषण प्रदान करते हुए खोए हुए तरल पदार्थ को पुनः प्राप्त करने में मदद करता है।

बटर मिल्क

आपको बता दें कि, बटर मिल्क यानी छाछ में प्रोबायोटिक ड्रिंक होती है, जो गट हेल्थ को सुधारने में काफी मदद करती है। अगर आपको लूज मोशन हो रहे हैं, तो उसमें छाछ जरुर पिएं।

फॉर्मूला ओरआरएस

आपके नजदीकी मेडिकल स्टोर पर डब्ल्यूएचओ रिकमेंडेड फॉर्मूला ओरआरएस पाउडर मिल जाएगा। इसे आप पानी में घोलकर पी सकते हैं। यह बॉडी के इलेक्ट्रोलाइट को बैलेंस करता हैं और पानी की कमी को दूर करता है।

डिस्क्लेम- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

गूगल ने साइबर ठगों से बचाव के अहम उपाय बताए!

स्कैम से बचें, गूगल के सुरक्षा टिप्स!

टेक्नोलॉजी

आप अपने वित्तीय और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी जरुरी है। आए दिन देश में धोखाधड़ी के मामले सुनने को मिलते हैं। इंटरनेट के जमाने में नए-नए तरीके ठगाई की जा रही है। साइबर अपराधी नए तरीके से लोगों के बैंक खातों से पैसे निकाल रहे हैं। इन दिनों डिजिटल अरेस्ट से लेकर ट्रेडिंग धोखाधड़ी के चलते आम लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

आजकल ऑनलाइन स्कैम बढ़ता ही जा रहा है। नए-नए तरीके से स्कैम हो रहा है। गूगल ने अपने यूजर्स के लिए साइबर ठगों से सुरक्षित रहने और धोखाधड़ी की पहचान करने से महत्वपूर्ण उपाय बताए हैं।

गूगल ने अपने यूजर्स के लिए साइबर ठगों से सुरक्षित रहने और धोखाधड़ी की पहचान करने से महत्वपूर्ण उपाय बताए हैं। आइए आपको बताते हैं आप अपने वित्तीय और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी जरुरी है।

क्रिप्टो निवेश से सतर्क रहें

कई बार ईमेल या संदेश के माध्यम से आपके पास क्रिप्टो निवेश योजना में उच्च रिटर्न का वादा किया गया है, तो यह एक स्कैम हो सकता है।

कोई भी वास्तविक योजना आपको कम समय में धन दोगुना करने की गारंटी नहीं देता है। कोई ऑफर या डील अच्छी लग रही है, तो यह धोखा हो सकता है।

नकली वेबसाइट और एप्स रहें सावधान

साइबर अपराधी फेमस एप्स और वेबसाइटों की नकल कर यूजर्स की व्यक्तिगत डेटा चोरी कर सकते हैं।

नकली पोर्टल दिखने में बिलकुल एकदम ऑर्जिनल लगते हैं और कभी-कभी नई आकर्षक सुविधाएं भी जोड़ देते हैं। इसलिए आप केवल एप स्टोर या गूगल प्ले स्टोर से ही डाउनलोड करें।

लैंडिंग पेज क्लोकिंग से बचें

इसके जरिए हाईटेक ठगी की जाती है। स्कैमर्स यूजर्स को और गूगल को अलग-अलग कंटेंट दिखाते हैं। इन वेबसाइट के जरिए साइबर अपराध को अंजाम दिए जाते हैं। यह एकदम ऑर्जिनल वेबसाइटों की तरह होती है और लॉगिन आईडी और अन्य क्रेडेशियल्स मांगती हैं। इन वेबसाइटो का इस्तेमाल बैंक खातों पर नियंत्रण पाने और पैसे की चोरी करने के लिए किया जाता है।

डीपफेक वाले संदेश

गूगल ने यह भी कहा है कि किसी भी वीडियो, ऑडियो और फोटो को ध्यान से देखें। कई बार ऐसे मामले आए है कि किसी सेलेब्रिटी को किसी ट्रेडिंग एप को प्रमोट करते हैं लेकिन उस एप उस सेलेब्रिटी ने कभी प्रमोट नहीं किया है। इन वीडियो, ऑडियो और फोटो को देखकर लगता है कि असली है लेकिन यह नकली हो सकती है।

हालांकि आप इन वीडियो और ऑडियो को ध्यान देखेंगे और सुनेंगे तो आपको पता चलेगा कि इन कंटेंट को एआई की मदद से

सही फेसवॉश से पाएं जवां त्वचा!

लोगों के चेहरे पर एक्ने की समस्या बनी रहती है या स्किन लूज होने लगती है। हालांकि कई बार तो फेश वॉश की वजह से चेहरे पर एक्ने और रिंकल्स निकल आते हैं। आइए आपको बताते हैं चेहरे को सही तरह से क्लीज कैसे करें।

हम सभी रोजाना फेसवॉश से चेहरे को क्लीन करते हैं लेकिन सही तरीके से बिल्कुल नहीं करते हैं। वॉश करने का सही तरीका

हाथ को साफ करना जरूरी

लोग जल्दीबाजी में चेहरे को क्लीन करते हैं। इसलिए चेहरे को साफ करने से पहले हाथों का साफ करना बेहद जरुरी है क्योंकि हाथों पर सबसे ज्यादा जर्म्स होते हैं। अगर आप गंदे हाथों से चेहरे को साफ करेंगे तो एक्ने बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। चेहरे को करें गीले टिश्यू से साफ ध्यान रहे कि चेहरे पर फेसवॉश लगाने से पहले स्किन पर जमा एक्स्ट्रा डर्ट को हटाना जरुरी है। आप किसी भी टॉवेल या फिर टिश्यू को गीला करके चेहरे पर जमा एक्स्ट्रा डर्ट को पोछ लें।

हाथों पर फोम बनाएं

जब आप फेशवॉश करें, तो सीधा चेहरे पर ना रगड़ें। इसलिए पहले हाथों पर फेसवॉश लें और थोड़े से पानी को डालकर फोम या झाग बना लें। फिर इस झाग वाले हिस्से को स्किन पर रब करें।

फोम के साथ उंगालियों को धीरे-धीरे आराम से सर्कुलेशन मोशन में चेहरे पर रगड़कर क्लीन करें। इससे स्किन सैगिंग की प्रॉब्लम नहीं होगी। ध्यान रखें कि तेजी से स्किन को ना रगड़ें। जेंटली सर्कुलेशन मोशन में रब कर फेस वॉश लगाएं।

पानी से धोएं

हमेशा चेहरे को धोने के लिए ना ज्यादा गर्म और ना ही ज्यादा ठंडा पानी इस्तेमाल करें। हमेशा ल्यूक वार्म वाटर से चेहरे को धो लें।

ऑयली स्किन को साफ करें

अगर आपकी ऑयली स्किन हैं तो आप चेहरे को अच्छी तरह से साफ करने के बाद ऑयली स्किन को टिश्यू से टैप-टैप करके सुखा लें। वहीं, ड्राई स्किन वाले को सॉफ्ट सूखे तौलिया से चेहरा थपथपाकर सुखाएं।

आजकल ज्यादातर लोग एक्ने, पिंपल, स्किन सैगिंग, रिंकल जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं। फेशवॉश करने का सही तरीका आपके चेहरे को और भी खूबसूरत बना देगा। फेसवॉश करते समय न करें ये गलतियां, जान लीजिए सही तरीका।

प्रेम विवाह बना मौत का सौदा

दहेज के दानवों ने ले ली रुचि की जान

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। एल्डिको कल्याणपुर निवासी 25 वर्षीय रुचि ने प्रेम विवाह किया था, लेकिन यह प्रेम शादी जल्द ही एक बुरे सपने में बदल गई। रुचि के मामा संजय के अनुसार, दिसंबर 2023 में रुचि ने परिवार के खिलाफ जाकर शिवराजपुर निवासी नेटवर्क मार्केटिंग कर्मी राहुल सिंघल से शादी की थी। शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुरालियों ने दहेज के लिए प्रताड़ना शुरू कर दी थी। रुचि के साथ मारपीट की घटनाएं बढ़ती गईं। कई बार समझौते की कोशिशें हुईं, लेकिन राहुल अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। आखिरकार, तंग आकर रुचि 10 दिन पहले अपने मामा के घर लौट आई थी। पति ने फोन पर बातचीत भी बंद कर दी, जिससे रुचि गहरे मानसिक अवसाद में चली गई।

झूठी मौत की खबर बनी सच्ची त्रासदी पति के ड्रामे ने नवविवाहिता की जान ली

दहेज की प्रताड़ना से परेशान नवविवाहिता ने पति द्वारा आत्महत्या की झूठी सूचना दिए जाने पर गहरे सदमे में आकर खुदकुशी कर ली। 25 वर्षीय रुचि कुमार पिछले 10 दिनों से मायके में रह रही थी और ससुराल लौटने से मना कर चुकी थी। इसी बीच उसके पति राहुल सिंघल ने फोन कर कहा, मैं जान देने जा रहा हूं। कुछ ही देर बाद राहुल की बहन ने रुचि को फोन कर भाई की मौत की झूठी पुष्टि कर दी। यह खबर सुनकर रुचि मानसिक संतुलन खो बैठी। वह चुपचाप कमरे में गई और दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।रुचि के मामा संजय कुमार ने बताया कि 12 दिसंबर 2023 को रुचि ने परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर शिवराजपुर पाठकपुर निवासी नेटवर्क मार्केटिंग कर्मी राहुल सिंघल से प्रेम विवाह किया था।शादी के कुछ ही समय बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ना शुरू कर दी गई थी मामा संजय ने बताया कि कई बार समझौते की कोशिशें की गईं, लेकिन पति और उसके परिवार का रवैया नहीं बदला। इस प्रताड़ना से तंग आकर रुचि मायके लौट आई थी। लेकिन पति के झूठे आत्महत्या के नाटक और ननद की पुष्टि ने उसके मानसिक संतुलन को तोड़ दिया।

अंतिम संस्कार के बाद तहरीर देकर लगाई इंसाफ की गुहार

बुधवार शाम को रुचि ने अपने मामा के घर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची कल्याणपुर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गुरुवार को शव परिजनों को सौंपा गया। एसीपी कल्याणपुर अभिषेक पांडेय ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला पारिवारिक कलह का लग रहा है, लेकिन मृतका के मामा ने पति राहुल सिंघल और ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार के बाद वह लिखित शिकायत देंगे। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि तहरीर मिलते ही केस दर्ज कर आरोपियों को जेल भेजा जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है।

बैंक भ्रमण में छात्रों ने सीखा डिजिटल बैंकिंग का पाठ, असली-नकली नोट की भी ली जानकारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुरदेहात। गुरुवार को दिलावलपुर गजनेर स्थित बीएस मॉडर्न पब्लिक स्कूल के छात्रों को शैक्षिक यात्रा के तहत बैंकिंग व्यवस्था से अवगत कराया गया। इस दौरान बच्चों ने नबीपुर रोड गजनेर स्थित एसबीआई की न्यू ब्रांच का भ्रमण किया, जहां उन्होंने बैंकिंग की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। बैंक प्रबंधक विपिन कुमार ने बच्चों का स्वागत करते हुए बैंकिंग से जुड़े कई अहम पहलुओं जैसे पासबुक, एटीएम कार्ड, नकदी जमा, और डिजिटल ट्रांजैक्शन की जानकारी दी।

उन्होंने विद्यार्थियों को असली और नकली नोट की पहचान, साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन बैंकिंग की सावधानियों पर भी विस्तार से बताया।बच्चों ने गहरी रुचि के साथ जानकारी ली और उत्साह से सवाल भी पूछे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राहुल यादव ने कहा कि ऐसी शैक्षिक यात्राएं बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ती हैं और उनके भविष्य के लिए बेहद उपयोगी होती हैं। कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद रहे। अंत में बैंक स्टाफ ने बच्चों को चॉकलेट देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

कानपुर देहात : माती में आईसीडीएस कार्यकर्ताओं ने उठाई आवाज

आंगनबाड़ी संचालिकाओ ने बेहतर सुविधाओं और वेतन की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जिला प्रशासन के समक्ष गुहार लगाई है। संगठन की अध्यक्ष शैलेश दीक्षित और महामन्त्री सरिता पाल ने जिलाधिकारी कानपुर देहात को संबोधित एक पत्र में कार्यकर्ताओं की समस्याओं और अपेक्षाओं को विस्तार से रखा है।

पत्र के माध्यम से कर्मचारियों ने कार्य को और अधिक सुगम बनाने के लिए वर्तमान में दिए जा रहे मोबाइल फोन के स्थान पर टैबलेट या लैपटॉप उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि बेहतर उपकरणों से वे अपने कार्यों को अधिक कुशलतापूर्वक कर पाएंगे।

इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों ने अपने मानदेय को वेतन में परिवर्तित करने की पुरजोर मांग की है। उनका तर्क है कि वे जो कार्य करते हैं, उसकी गंभीरता को देखते हुए उन्हें उचित वेतन मिलना चाहिए। साथ ही, उन्होंने कार्य संबंधी आवश्यक खर्चों का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है, जिससे उन्हें अपने दायित्वों का निर्वहन करने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

कर्मचारियों ने दैनिक मजदूरी और अपने भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मांग रखते हुए वेतनमान निर्धारण की आवश्यकता पर बल दिया है। उनका मानना है कि एक निश्चित वेतनमान उन्हें आर्थिक स्थिरता प्रदान करेगा।

अपनी पेशेवर प्रगति की आकांक्षा व्यक्त करते हुए, कार्यकर्ताओं ने योग्यता और उनके द्वारा किए गए कार्य के आधार पर पदोन्नति की एक स्पष्ट प्रक्रिया अपनाने का भी अनुरोध किया है। उनका मानना है कि इससे मेहनती और योग्य कर्मचारियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

इस महत्वपूर्ण पत्र की प्रतियां महिला एवं बाल विकास पुष्टाहार राज्य मंत्री, लखनऊ, जिलाधिकारी कानपुर देहात, जिला कार्यक्रम अधिकारी कानपुर देहात और परियोजना अधिकारी अकबरपुर, कानपुर देहात को भी प्रेषित की गई हैं, ताकि उच्च स्तर पर भी उनकी मांगों पर ध्यान दिया जा सके।ICDS कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी से इन सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए उचित कार्रवाई करने की उम्मीद जताई है। मौके पर ममता बारा, शान्ती, मीरा भदौरिया, मुन्नी पाल, अरूणा तिवारी गुलजाना आदि सैकड़ो आँगनबाड़ी उपस्थित रही ।

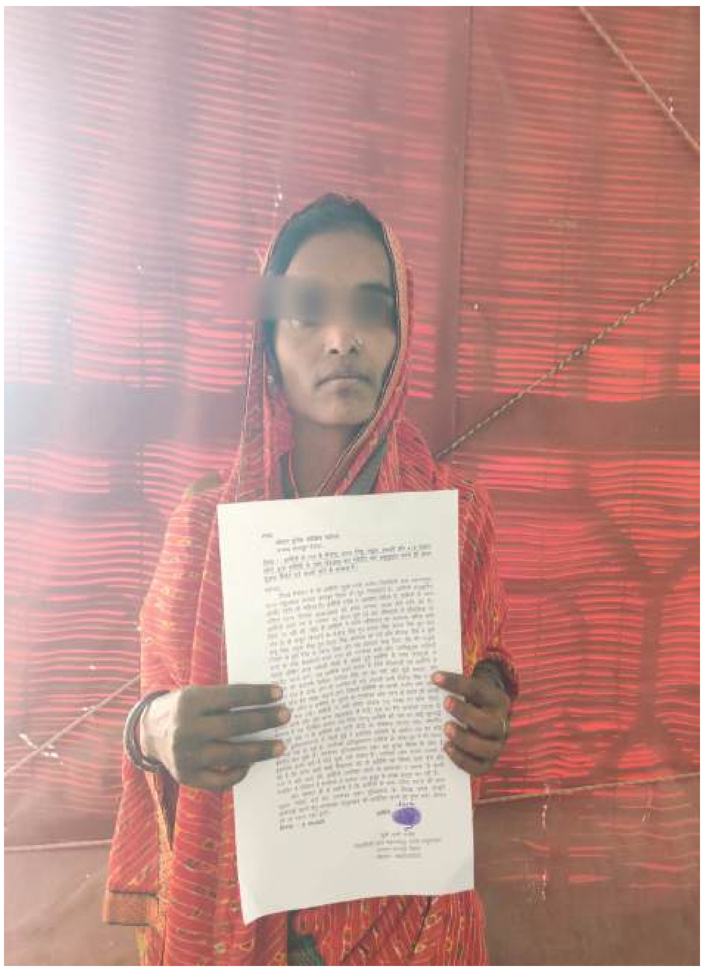

माती जिला मुख्यालय में पुलिस कप्तान को शिकायती पत्र देने पहुंची पीड़िता

रसूलाबाद में महिला से अत्याचार

» स्थानीय पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं करने से पुलिस कप्तान से लगाई गुहार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र की मकरंदपुर निवासी जूली देवी ने बताया कि बुधवार रात करीब 9 बजे जब वह शौच क्रिया के लिए घर के बाहर बने शौचालय में गई, तभी गांव के ही दबंग शैलेन्द्र सिंह, अजय सिंह और राहुल सिंह अचानक वहां पहुंच गए। शैलेन्द्र सिंह ने उसे पीछे से दबोच लिया और अश्लील हरकत करते हुए उसका ब्लाउज फाड़ दिया। इसके बाद सभी आरोपियों ने जातिसूचक गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता की चीख-पुकार सुनकर उसकी देवरानी विनीता और संगीता मौके पर पहुंचीं और उसे बचाया।

इसी दौरान गांव के अन्य लोग भी जुट गए। तभी हमलावरों के परिवार की अंजली समेत 4-5 अज्ञात लोगों ने ईंट-पत्थर से हमला कर दिया, जिससे महिला को गंभीर चोटें आईं। हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

इलाकाई पुलिस पर लग रहे लापरवाही के आरोप

घटना के बाद पीड़िता ने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को बुलाया। पुलिस मौके पर पहुंची तो पीड़िता को ही थाने ले जाया गया, जहां उसने पूरी घटना की लिखित शिकायत दी, लेकिन न तो उसकी सुनवाई हुई और न ही मेडिकल परीक्षण कराया गया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी पहले भी कई बार इस तरह की घटनाएं कर चुके हैं और स्थानीय पुलिस उनकी शिकायतों को नजरअंदाज करती रही है। दबंगों के अत्याचार से त्रस्त होकर महिला ने अब पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्रा से जान की सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई है। इस पर एसपी ने रसूलाबाद पुलिस को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सेंगुर नदी में तीन छात्रों की डूबकर मौत

कृष्णा (फाइल फोटो)

हर्ष (फाइल फोटो)

हर्ष (फाइल फोटो)

» छात्र स्कूल से पेपर देकर घर लौटने के बाद नदी में नहाने पहुंचे थे
» गांव में पसरा मातम, चूल्हे तक नहीं जले

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जौरा गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में तीन छात्रों की सेंगुर नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना तब घटी जब छह छात्र स्कूल से गणित का पेपर देकर घर लौटने के बाद नदी में नहाने पहुंचे। अचानक तीन छात्र गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। बाकी छात्रों और पास के खेतों में काम कर रहे किसानों की मदद से तीन को बचा लिया गया, लेकिन आर्यन (16), हर्ष (12) और कृष्णा (14) की जान नहीं बचाई जा सकी। तीनों छात्र एक ही गांव असवी के रहने वाले थे और आपस में घनिष्ठ मित्र भी थे।

मां के बाद बेटों की मौत ने तोड़ी दिनेश की दुनिया

अब जिए तो किसके लिए जिए... बोले ग़मज़दा पिता-

हादसे में जान गंवाने वाले आर्यन और हर्ष सगे भाई थे। उनके पिता दिनेश बाबू ने बताया कि तीन साल पहले उनकी पत्नी की बीमारी से मृत्यु हो गई थी। इसके बाद उन्होंने मजदूरी और खेती कर दोनों बेटों को पाल-पोस कर पढ़ाया-लिखाया।

अब जब दोनों बेटे भी इस दुनिया से चले गए, तो उनके जीवन में कोई नहीं बचा।

भावुक दिनेश ने कहा—अब जिए तो किसके लिए जिए...। इस हादसे ने एक पिता की पूरी दुनिया उजाड़ दी।

तीनों शव पहुंचते ही रो पड़ा पूरा असवी गांव

तीनों किशोरों के शव जैसे ही असबी गांव पहुंचे, पूरे गांव में मातम छा गया।

गलियों में सन्नाटा पसर गया, किसी भी घर में चूल्हा नहीं जला।

घटना ने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया। सीओ अशोक कुमार ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया गया है। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

स्वराज इंडिया की खबर पर एक्शन

» सड़क पर टूटे खंभों और लटके तारों की सुध लेकर बिजली विभाग ने कराया कार्य

अधिशाषी अभियंता की फटकार के बाद हरकत में आया विभाग

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर देहात कानपुर, गुरुवार 01 मई, 2025 09

टूटे बिजली के खंभे हादसे को दे रहे न्यौता

तेज आंधी में गिरे खंभे, विभाग की लापरवाही चरम पर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। एनएच-25 देवीपुर से मलासा रोड पर पिछले पांच दिनों से टूटे पड़े छह बिजली के खंभे और सड़क पर बिछे बिजली के तार राहगीरों के लिए जानलेवा खतरा बन चुके हैं। ये स्थिति तेज आंधी के बाद उत्पन्न हुई, लेकिन बिजली विभाग अब तक बेखबर बना हुआ है। क्षेत्रवासियों में भय और आक्रोश दोनों का माहौल है।

अगर रात के समय कोई वाहन इन तारों से टकराता है, तो बड़ा हादसा हो सकता है। गुरुवार रात करीब 9 बजे तेज आंधी-तूफान के कारण मुतेहेरापुर फीडर से जुड़े मलासा गांव की बिजली लाइन के कई खंभे टूटकर सड़क पर गिर गए थे। इसके बाद से न तो बिजली आपूर्ति सामान्य हो पाई है और न ही खंभे हटाने की कोई कार्रवाई की गई। बिजली विभाग की इस घोर लापरवाही ने पूरे गांव को खतरे में डाल रखा है, मानो कोई बड़ी घटना होने का इंतजार हो रहा हो।

ग्रामीणों की चेतावनी—जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे विरोध

स्थानीय लोगों ने कई बार विद्युत विभाग के लाइनमैन और अधिकारियों को जानकारी दी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। मलासा गांव के ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर टूटे खंभे और तार तत्काल नहीं हटाए गए, तो वे विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। ग्रामीणों ने मांग की है कि हादसे से पहले हरकत में आकर विभाग खतरे को दूर करे।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। देवीपुर-मलासा रोड पर बीते पांच दिनों से टूटे पड़े बिजली के छह खंभे और जमीन पर बिखरे तार स्थानीय लोगों के लिए जानलेवा खतरा बने हुए थे। आंधी के बाद गिरे इन खंभों की वजह से हादसे की आशंका बनी हुई थी, लेकिन बिजली विभाग की अनदेखी ने ग्रामीणों में आक्रोश और भय दोनों पैदा कर दिया था। स्वराज इंडिया न्यूज ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को पेज नंबर 9 पर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी।

स्वराज इंडिया की खबर प्रकाशित होने के बाद अधिशाषी अभियंता आलोक प्रकाश ने तत्काल मामले का संज्ञान लिया।

उन्होंने संबंधित अवर अभियंता अजय कुमार को निर्देश दिए, जिसके बाद विभाग हरकत में आया और शुक्रवार सुबह से ही टूटे खंभों को हटाने का काम शुरू कर दिया गया। अधिशाषी अभियंता ने जानकारी दी है कि सभी टूटे खंभे हटवा दिए गए हैं और जल्द ही उनकी जगह नए खंभे लगाए जाएंगे, जिससे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

जिनको नियमों की जानकारी नहीं वे बीएचयू के कुलपति और रजिस्ट्रार

» यूजीसी ने दिखाया आईना तो बीएचयू कुलपति और रजिस्ट्रार की योग्यता पर उठ रहे सवाल

»नियमों को दरकिनार कर प्रोफ़ेसर की वरिष्ठता के खिलवाड़ में खुली कुलपति व् रजिस्ट्रार की पोल

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

खास खबर

वाराणसी। देश के जाने माने विख्यात विश्वविद्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कुलपति और रजिस्ट्रार को भारत के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने ऐसा आईना दिखाया है कि उनकी मानसिकता जगजाहिर हो गई है। चहेतों को लाभ देने के लिए विश्वविद्यालय और सवैधानिक नियमों को दरकिनार कर दिया गया और खूब मन मानी की गई है। अब बगलें झाँक रहे हैं। बीएचयू के कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह हैं और यहाँ के कुलपति प्रोफ़ेसर संजय कुमार हैं। यूजीसी के उप सचिव डा. निखिल कुमार ने बीएचयू के कुलसचिव को आयोग वमानव संसाधन विभागमंत्रालय की नियमावली की ओर ध्यानाकर्षित कराते हुएकहा है कि सम्बंधित कैडर में प्रवेशकी तिथि सेही प्रोफ़ेसर कीवरिष्ठता का निर्धारणहोता है। आयोगने बीएचयू कुलसचिवको निर्देश दिया है कि इसीको आधार मानकरडीन एवं विभागाध्यक्षके विवादित मामलों का हल करते हुए निस्तारित करें।

आपको बता दें पिछले माह बीएचयू के प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के प्रोफ़ेसर महेश प्रसाद की विभागाध्यक्ष पद पर नियुक्ति को दरकिनार करते हुए उनकीजगह कला संकायकी प्रमुख प्रो. सुषमाघिल्डियाल को विभागाध्यक्षकी जिम्मेदारी सौंपदेने की शिकायतकी थी। नियमों को ठेंगा दिखाते हुए मनमर्जी के आरोप में प्रोफेसर महेश प्रसाद ने भारत सरकार उच्च शिक्षा मंत्रालय सहित यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन सहित जिम्मेदारों को पत्र भेजकर शिकायत की थी। इसी मनमानी पर बीएचयू के छात्र संगठन के परमदीप पटेल, अजय कुमार भारती, रविशंकर समेत कई छात्रों ने बीएचयू में हुए गड़वड़झाले को उजागर करते हुए यूजीसी सहित सरकार को अवगत कराया था। जिसके जवाब में यूजीसी ने एमएचआरडी के इसनियम से भीअवगत कराया हैकि विश्वविद्यालयों मेंशिक्षकों के संबंधमें केवल तीनपदनाम होंगे– सहायकप्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफ़ेसर औरप्रोफ़ेसर ।
यह स्पष्ट है किवरिष्ठ प्रोफ़ेसर के पदपर उन्नयन केलिए विश्वविद्यालय अपनीवरिष्ठता सूची अलगसे तैयार नहींकरेगा। यूजीसी के इसदिशा निर्देश औरस्पष्टीकरण के बादप्रो.महेश प्रसाद की कार्रवाई ने बीएचयू के कुलपति और रजिस्ट्रार की मनमर्जी की पोल खोल दी है ।

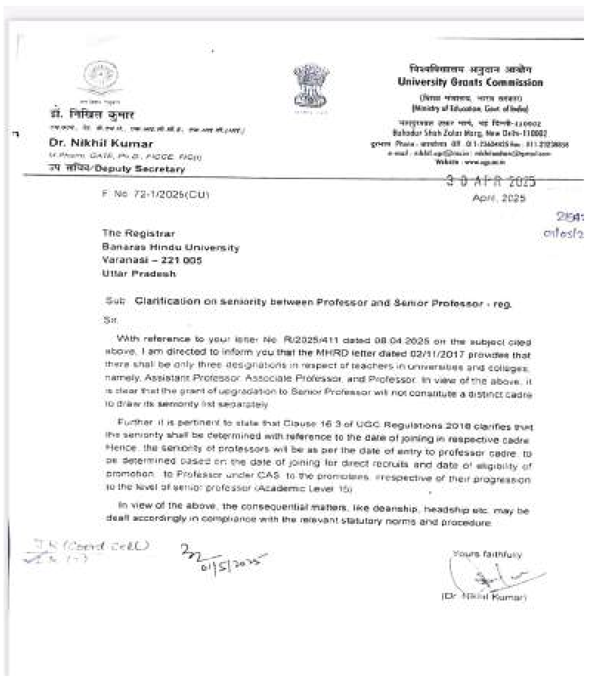

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)
बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002

डॉ. निखिल कुमार
Dr. Nikhil Kumar
M.Pharm, GATE, Ph.D., FICCE, FIC(I)
उप सचिव/Deputy Secretary

F. No. 72-1/2025(CU)
30 APR 2025
April, 2025

The Registrar
Banaras Hindu University
Varanasi – 221 005
Uttar Pradesh

Sub: Clarification on seniority between Professor and Senior Professor - reg.

Sir,

With reference to your letter No. R/2025/411 dated 08.04.2025 on the subject cited above, I am directed to inform you that the MHRD letter dated 02/11/2017 provides that there shall be only three designations in respect of teachers in universities and colleges, namely, Assistant Professor, Associate Professor, and Professor. In view of the above, it is clear that the grant of upgradation to Senior Professor will not constitute a distinct cadre to draw its seniority list separately.

Further it is pertinent to state that Clause 16.3 of UGC Regulations 2018 clarifies that the seniority shall be determined with reference to the date of joining in respective cadre. Hence, the seniority of professors will be as per the date of entry to professor cadre, to be determined based on the date of joining for direct recruits and date of eligibility of promotion to Professor under CAS, to the promotees, irrespective of their progression to the level of senior professor (Academic Level 15).

In view of the above, the consequential matters, like deanship, headship etc. may be dealt accordingly in compliance with the relevant statutory norms and procedure.

Yours faithfully
(Dr. Nikhil Kumar)

बीएचयू कुलसचिव का दागदार दामन,लग चुके हैं आरोप

बीएचयू के कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह के विरुद्ध लगातार यूजीसी में शिकायत मिलती रहीं हैं लेकिन रसूख और पहुँच के चलते वे कुर्सी पर डटे हुए हैं। लेकिन यूजीसी ने उन्हें आईना दिखाया है,दरअसल यहां परकई प्रोफेसरों के प्रमोशन को लेकरविवाद हो चुकाहै। सभी नेकुलसचिव पर भेदभावकरने का आरोपलगाया है। माइक्रोबायोलाजीविभाग के वरिष्ठप्रोफेसर गोपाल नाथ, प्राचीनभारतीय इतिहास, पुरातत्व एवंसंस्कृति विभाग के प्रो. महेश प्रसाद , प्रो.सुमन जैन वप्रो. डीके ओझाजैसे शिक्षकों कामामला पिछले दिनोंकाफी चर्चा मेंरहा है। कुलसचिव की करतूतें और कुलपति का मौन सहमति से प्रोफ़ेसर्स ने उच्च न्यायलय की शरण ली। अब तक सैकड़ों केस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

रजिस्ट्रार व कुलपति की योग्यता पर भी सवाल?

प्रो. महेश प्रसाद यूजीसीके निर्देश पर खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा कि स्पस्टीकरणके इस पत्रके आधार पररजिस्ट्रार को बतायाजा रहा है,कि ज्वाइनिंग हीवरिष्ठता का मानकहै। यदि रजिस्ट्रारको इस बातकी जानकारी आजतक नहीं थी,तो क्या वोइस पद परबने रहने केयोग्य है। कुलपतिने विभागाध्यक्ष काकार्यभार डीन कोदिया था। यदिकुलपति को भीविश्वविद्यालय अनुदान आयोग केनियुक्ति प्रावधानों की जानकारीनहीं, तो क्यानैतिक आधार परवो इस पदपर बने रहनेके योग्य हैं? मैंने 30 दिनों से जोमानसिक पीड़ा झेली है,उसकी क्षतिपूर्ति कैसेहोगी? नियमों की अनिभिज्ञता और अराजकता कुलपति और रजिस्ट्रार की योग्यता पर सवालिया निशान लगते है।आये दिन छात्र भी अन्याय के आरोप लगाकर धरने पर बैठते हैं।

रंगे हाथ घूस लेते पकड़ी गई महिला लेखपाल

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। विनीता यादव, राजस्व लेखपाल, तहसील सिकन्दरा परिसर के आवास से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ एन्टी करप्शन टीम ने किया गिरफ्तार किया। वह शिकायतकर्ता से भूमि की कुराबन्दी करने के एवज में 4 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की गयी थी। मामले में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई।

सुहागरात में ही उजड़ गया सिंदूर...

» युवक का गांव के बाहर 11 हजार वोल्ट हाईटेंशन लाइन के खंभे से चिपका मिला शव

» 1 मई को ही दुल्हन को विदा करा कर लाया था

अंकित यादव/स्वराज इंडिया

सूरतगंज(बाराबंकी)। शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई.जिसने पूरे गांव को सदमे में डाल दिया और पूरे परिवार को झकझोर डाला। यहां शादी के पहले ही दिन एक नई-नवेली दुल्हन का सुहाग उजड़ गया। बता दे कि फतेहपुर थाना क्षेत्र के बंजरिया गांव में 22 वर्षीय अंकित की शादी 30 अप्रैल को रामनगर के हसनापुर गांव की सुधा से हुई थी। 1 मई को वह दुल्हन को विदा कराकर अपने घर लाया था, लेकिन उसी रात रहस्यमय परिस्थितियों में वह अचानक लापता हो गया। परिजनों ने रातभर उसकी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

अगली सुबह गांव के बाहर 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के खंभे पर उसका शव तार से चिपका हुआ लटका मिला। युवक की मौत करंट लगने से हुई थी। यह दृश्य देखकर परिवार में कोहराम मच गया।

सूचना पर पहुंची फतेहपुर पुलिस ने बिजली विभाग की मदद से लाइन कटवाई और शव को नीचे उतरवाया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक के चाचा रामविलास ने बताया कि 30 को अंकित की शादी हुई थी, 1 तारीख को हम दुल्हन की विदाई कराकर घर आए थे। शाम 6 बजे तक वह घर पर था, फिर कहीं चला गया। हमें लगा शायद हाते में सो गया होगा लेकिन वहां भी नहीं मिला। फिर हमने रातभर उसे ढूंढा लेकिन कोई पता नहीं चला। सुबह गांव के बाहर देखा गया कि वह 11 हजार लाइन के खंभे पर तार से चिपका हुआ लटका था। शादी के अगले ही दिन जब यह खबर सुधा को दी गई तो वह बदहवास हो गई। उसके हाथों की मेहंदी तक नहीं सूखी थी और उस पर विधवा होने का कलंक टूट पड़ा। गांव की महिलाओं की आंखें नम हो गईं। सभी बस यही कहती दिखी कि किस्मत भी कभी-कभी कितनी निर्दयी हो जाती है। सुधा के अनुसार शादी के बाद अंकित का व्यवहार पूरी तरह सामान्य था। वह खुश भी लगरहा था, लेकिन आखिर ऐसी क्या बात हुई कि उसने जानलेवा जगह पर जाकर यह कदम उठा लिया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आत्महत्या, हादसा या कोई औरवजह इन सभी पहलुओं पर छानबीन की जा रही है।

बाबा पारस नाथ कॉलेज में टेबलेट पा कर खिले छात्रों के चेहरे

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामनगर(बाराबंकी)। बाबा पारस नाथ कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड पैरामेडिकल साइंस शोभा नगर बम्हनी महादेवा रामनगर बाराबंकी में डी फार्मा कर रहे छात्र छात्राओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत फ्री टेबलेट का वितरण किया गया द्य टेबलेट पा कर छात्रों के चेहरे खिल उठे द्य कॉलेज के चेयरमैन बोधायन दास महाराज ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दी द्य और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की द्य मैनेजर जगन्नाथ दास महाराज ने कहा कि टेबलेट वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ है यह सरकार की योजना है छात्रों को पढ़ाई में सुविधा मिलेगी द्य डी फार्मा के विभागाध्यक्ष शिवम अवस्थी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि टेबलेट का इस्तेमाल आप लोग पढ़ाई के लिए करें द्य होने वाली आगामी परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करें हैं। इस अवसर पर नोडल ऑफिसर जितेंद्र गोस्वामी, कंचन मिश्रा, हरीश मिश्रा, जितेंद्र अवस्थी, नेहा पाठक ,आरती पाण्डेय, सत्येंद्र अवस्थी, करुणेश चतुर्वेदी, सुनील दत्त, गुलशन जहां, सौम्या, सुमन, सुरभि, अभिषेक, मुमताज पूर्व सभासद पवन ओझा आदि लोग उपस्थित रहे है।

युवा शक्ति को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना प्राथमिकता है: मुख्यमंत्री योगी

निजी पॉलिटेक्निक संस्थानों को भी एसआईआरएफ रैंकिंग में शामिल करें

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राविधिक एवं व्यावसायिक शिक्षा में नवाचारों के समावेश एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि विगत आठ वर्षों में तकनीकी शिक्षा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, नवाचारपरक एवं परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक ठोस पहलें की गई हैं, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए सभी प्राविधिक संस्थान नैक, एनबीए तथा एनआईआरएफ मूल्यांकन में प्रतिभाग करें, परंतु आवेदन से पूर्व व्यापक तैयारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने राज्य संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा (एसआईआरएफ) के तहत राजकीय एवं अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग की सराहना करते हुए इसके अंतर्गत निजी संस्थानों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिया, ताकि समस्त संस्थानों में गुणवत्ता की समान मानक सुनिश्चित हो सकें। सीएम योगी शुक्रवार को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल तथा व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में विश्वविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में व्यवहारिक अध्ययन को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए तथा गुणवत्तापूर्ण प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक श्रेणी के सभी रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि नवस्थापित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती, गोंडा, मीरजापुर एवं प्रतापगढ़ के भवन निर्माण तथा परिसर विकास से जुड़ी सभी परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं, ताकि अगले शैक्षणिक सत्र से यह कॉलेज अपने निजी परिसरों से संचालित हो सकें। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत करते समय स्थानीय औद्योगिक आवश्यकताओं एवं संभावनाओं को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को उद्योगों से और अधिक गहराई से जोड़ा जाए तथा प्रत्येक छात्र को प्रशिक्षण के साथ एक निश्चित अवधि की औद्योगिक इंटर्नशिप सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की युवा शक्ति को तकनीकी रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। शिक्षा केवल प्रमाण-पत्र प्राप्ति का माध्यम न होकर एक व्यावहारिक, कौशलपूर्ण एवं उपयोगी प्रणाली होनी चाहिए।

पूर्व क्रिकेटर कपिल देव ने सीएम से की मुलाकात

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और खिलाड़ी कपिल देव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इसकी जानकारी सीएम योगी ने अपने एक्स अकाउंट पर कपिल देव के साथ एक फोटो शेयर करके दी। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। दोनों के बीच खेल, युवाओं में खेलों के प्रति बढ़ती रुचि और राज्य में खेल अवसंरचना के विकास जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कपिल देव का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके योगदान की भी खूब सराहना की। कपिल देव ने उत्तर प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा की।

शादी से पहले युवती पर किया एसिड अटैक

हमले से पहले शोहदों ने पहले 100 मीटर तक दौड़ाया

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पर शादी से पहले एक युवती पर ऐसिड अटैक किया गया है। आरोपियों ने घर से कुछ ही दूरी पर युवती का पीछा करना शुरू कर दिया। शक होने पर युवती भागने लगी। तभी आरोपियों ने उस पर तेजाब फेंक दिया। भागने की वजह से तेजाब युवती की पीठ पर आ गया और पीठ जल गई। इसके बाद उसने शोर मचाया और लोगों को जमा किया। लोगों के आते ही आरोपी भाग गए और युवती को अस्पताल में भर्ती किया गया।

जानकारी के मुताबित, घोसी कोतवाली क्षेत्र के कटिहारी गांव में घर से कुछ दूरी पर गुरुवार की दोपहर युवती पर बाइक सवार दो नकाबपोशों ने तेजाब फेंक दिया। दरअसल, गांव की रहने वाली युवती की 27 मई को शादी होने वाली थी। उसके पिता की मौत हो चुकी है और भाई छोटा है, इसलिए वह खुद ही अपनी शादी की तैयारियां कर रही थी। गुरुवार को वह बैंक से 20 हजार रुपये निकालकर घर आ रही थी। वह गांव के मुख्य मार्ग के सिवान के पास पहुंची थी कि पीछे से एक बाइक सवार ने उसे रोका। बाइक पर सवार बदमाश ने तेजाब की बोतल बाहर निकाली। यह देख युवती भागने लगी। जिससे फेंका गया तेजाब उसके पीठ पर आ गिरा, जिससे युवती बुरी तरह से घायल हो गई।

युवती 100 मीटर तक भागती रही और चिल्लाने लगी। जिससे लोग जमा हो गए। जिन्हें देखकर आरोपी भाग गए। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और युवती को बड़राव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाकर भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति देखकर उसे रेफर कर दिया। युवती का इलाज आजमगढ़ जिले में एक निजी अस्पताल में चल रहा है। वहीं, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और हर पहलु पर जांच कर रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश के लिए सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रगी है।

खराब मौसम में गंगा एक्सप्रेसवे पर वायु सेना का दिखा जलवा

यूपी के शाहजहांपुर में उतरे एयर फोर्स के लड़ाकू विमान

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

शाहजहांपुर। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच गंगा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को वायुसेना ने शक्ति प्रदर्शन किया। शाहजहांपुर के जलालाबाद में बनाई गई हवाई पट्टी पर राफेल, जगुआर और सुखोई जैसे लड़ाकू विमानों ने टचडाउन किया। इससे पहले दोपहर करीब 12 बजकर 41 मिनट पर वायुसेना का एएन-32 विमान आया। विमान ने करीब पांच मिनट तक चक्कर लगाए। इसके बाद हवाई पट्टी पर लैंडिंग की गई। करीब एक बजे यह विमान यहां से टेकऑफ कर गया। हवाई पट्टी पर वायुसेना के हेलिकॉप्टर भी उतरे।

गंगा एक्सप्रेसवे पर करीब डेढ़ घंटे तक एयर शो हुआ। लड़ाकू विमानों ने हवा में कलाबाजियां कीं। यह देखकर वहां मौजूद स्कूली बच्चे व लोग रोमांचित हो गए। रात में भी हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमान उतरेंगे। ऐसा पहली बार होगा, जब किसी एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग भी होगी। इस दौरान कटरा-जलालाबाद हाईवे तीन घंटे तक पूरी तरह से बंद रहेगा।

वायुसेना के एयर शो का उद्देश्य युद्ध या आपदा के समय इस एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करना है। गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी यह देश की पहली ऐसी हवाई पट्टी है, जहां लड़ाकू विमान दिन व रात दोनों समय में लैंडिंग कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई पट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एयर शो को देखते हुए वायुसेना ने हवाई पट्टी को पहले ही अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया था। विमान लैंडिंग का आयोजन दिन और रात दोनों समय में इसलिए किया जाएगा, ताकि एयर स्ट्रिप की नाइट लैंडिंग कैपेबिलिटी का भी टेस्ट किया जा सके।

हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमानों की लैंडिंग से पहले शाहजहांपुर में आंधी के साथ बारिश हुई तो जलालाबाद में मौसम खुशगवार रहा। घने बदल मंडराते रहे और तेज हवा चलने से धूल के गुबार उठते रहे।

मौसम बिगड़ने और बारिश की आशंका के चलते एकबारगी एयर शो और विमानों की लैंडिंग का कार्यक्रम स्थगित होने की भी चर्चा रही लेकिन मौसम अनुकूल होने से लैंडिंग की तैयारियों को अंतिम रूप देने में पुलिस प्रशासन जुटा रहा। मौसम अनुकूल बनने पर एयर शो शुरू हुआ।